मार्च, 2024 के दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्यकलाप किए गए:

1. 09 मार्च से 23 मार्च, 2024 तक पोषण पखवाड़ा

9 से 23 मार्च, 2024 के दौरान पूरे देश में छठा पोषण पखवाड़ा सफलतापूर्वक मनाया गया। पोषण भी पढाई भी (पीबीपीबी); जनजातीय, पारंपरिक, क्षेत्रीय और स्थानीय आहार पद्धतियां; गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य और आईवाईसीएफ प्रथाएं, इस पखवाड़ा के तीन मुख्य विषय थे।

पखवाड़ा 2024 के दौरान, 35 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों, मंत्रालयों/विभागों और अन्य हितधारकों द्वारा जन आंदोलन डैशबोर्ड पर 17 करोड़ से अधिक संवेदीकरण गतिविधियों की सूचना दी गई है।

2. पीएम जनमन

पीएम जनमन के तहत पीवीटीजी बसावटों के लिए वित्त वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 में कुल 2500 आंगनवाड़ी केंद्रों को स्वीकृति देना और निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 916 आंगनवाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 432 आंगनवाड़ी केंद्र चालू हो चुके हैं।

3. यूएनडीपी द्वारा लैंगिक असमानता सूचकांक (जीआईआई) जारी करना

यूएनडीपी द्वारा 13 मार्च, 2024 को अपनी मानव विकास रिपोर्ट 2023-2024 में लैंगिक असमानता सूचकांक 2022 जारी किया गया है। लैंगिक असमानता सूचकांक (जीआईआई) 2022 में, भारत 0.437 अंकों के साथ 193 देशों में से 108वें स्थान पर है। यह जीआईआई 2021 की तुलना में जीआईआई 2022 में 14 रैंक की महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाता है।

पिछले 10 वर्षों में, जीआईआई में भारत की रैंक लगातार बेहतर हुई है, जो देश में लैंगिक समानता हासिल करने में प्रगतिशील सुधार को सूचित करती है। 2014 में यह रैंक 127 थी, जो अब 108 हो गई है।

4. वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान व्यय

मंत्रालय के लिए आरई 2023-24 के तहत 25135.97 करोड़ रुपये के आवंटन के सापेक्ष, कुल 24747.57 करोड़ रुपये (आरई 2023-24 का 98.45%) का व्यय किया गया है।